>

Title: Damage caused to crops due to frost and cold wave conditions in Rajasthan and need to include frost in the list for Calamity Relief.

श्री हन्नान मोल्लाह (उलूबेरिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक नई आपदा की ओर केन्द्र सरकार का ध्यान

*Not recorded

आकृष्ट करना चाहता हूं। होम मिनिस्टर साहब यहां मौजूद हैं। मैं उनके सामने बताना चाहता हूं कि इस दफा पहली बार हिन्दुस्तान में बहुत भारी शीतलहर चली और ओले तथा पाला (फ्रॉस्ट) पड़ा। पाला पड़ने की वजह से हजारों एकड़ जमीन की फसल पहली बार नष्ट हो गई है। राजस्थान के गंगानगर से लेकर हनुमानगढ़ तक 22 जिले, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिले, हरियाणा के कुछ जिले तथा अन्य बहुत से जिलों में पाला पड़ने के कारण हजारों एकड़ जमीन में लगी फसल बरबाद हो गई। हमने इसके लिए राज्य सरकार से मांग की कि इसकी कुछ क्षतिपूर्ति की जाए। लेकिन इसमें एक समस्या यह है कि पाला नेचुरल कैलामिटी की लिस्ट में नहीं है। Frost should be included in the list of natural calamities.

ऐसा होने पर यह होगा कि नेचुरल कैलामिटी में जो क्षतिपूर्ति का मुआवजा मिलता है, वह ज्यादा होता है। नेचुरल कैलामिटी में अभी फ्लड और सुखाड़ आदि आते हैं। मगर पाला पड़ना इस लिस्ट में इनक्लूड नहीं है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस मामले में पूरे देश के किसानों ने आंदोलन भी किया है। मेरा निवेदन है कि आने वाले समय में पाला पड़ना और भूमि प्रभाव से जो नुकसान होता है, उसे नेचुरल कैलामिटी में शामिल करना चाहिए और क्षतिपूर्ति भी उसी हिसाब से देनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री महावीर भगोरा।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let me conduct the House.

...(*Interruptions*)

।**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर):** सर, हम इस मामले से अपने को सम्बद्ध करना चाहते हैं।

श्री पुष्प जैन (पाली): सर, मैं भी अपने आपको इस मामले से सम्बद्ध करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपको एसोसिएट कर लिया गया है। अभी हम आपके ही मैम्बर को बुला रहे हैं।

श्री महावीर भगोरा (सलूम्बर) : अध्यक्ष महोदय, अभी जो बात श्री मोल्लाह साहब ने कही है, वहीं बिन्दु राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में भी उठाना चाहता हूं और मैं माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि किसानों की लाखों एकड़ जमीन में सरसों, चना और गेहूं पाले सेजलकर नष्ट हो गया है, जिसके कारण किसान भूखे मरने के लिए मजबूर हो गये हैं। इसलिए मेरा आग्रह है कि पाला को भी नेचुरल कैलामिटी की लिस्ट में जोड़ा जाए और इसके कारण जो नुकसान हुआ है, उसका मुआवजा किसानों को दिलाया जाए।

अध्यक्ष महोदय : श्री गिरधारी लाल भार्गव, क्या इसे पाला बोलते हैं?

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : हां श्रीमान, इसे पाला बोलते हैं।

अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में रबी मौसम की सभी फसलों पर शीतलहर और पाला पड़ने से बहुत नुकसान हुआ है। इसलिए इसे प्राकृतिक आपदा मानते हुए राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से प्रभावित किसानों को तत्काल विशेष सहायता दिया जाना अत्यावश्यक है। राष्ट्रीय आपदा राहत कोष अधिसूचित सूची में शीतलहर व पाला से होने वाले नुकसान को शामिल करें। इस शीतलहर से राजस्थान में सरसों, जौ, धनिया, चना, इसबगोल और सब्जियों आदि की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है और कई जिलों में तो ये खेती पूरी तरह से नष्ट हो गई है। राज्य सरकार ने गिरदावरी करा ली है। राज्य सरकार के पास जो पैसा उपलब्ध है, उस पैसे से राज्य सरकार किसानों की मदद करने का प्रयास कर रही है, इसमें कहीं कोई दो राय नहीं है। लेकिन राज्य सरकार के पास पैसे की कमी है। इसलिए राजस्थान सरकार ने केन्द्र सरकार से दो सौ करोड़ रुपये मुआवजा राशि शीघ्र आबंटित करने की मांग की है। मैं समझता हूं कि केन्द्र सरकार इस संबंध में प्रयास करे और राजस्थान सरकार को तुंत दो सौ करोड़ रुपया दे, ताकि जिन किसानों का शीतलहर के कारण नुकसान हुआ है, उन्हें हम मुआवजा दे सकें और किसान अपना जीवनयापन कर सकें। राजस्थान में शीतलहर और पाला पड़ने से काफी नुकसान हुआ है और एक विचित्र प्रकार की जो घटना घटी है, इस ओर केन्द्र सरकार द्वारा ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। इस शीतलहर और पाला से जो नुकसान हुआ है, इसे भी राष्ट्रीय आपदा राहत कोष की सूची में जोड़ा जाए, क्योंकि यह नुकसान भी प्राकृतिक नुकसान है। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

श्री रामस्वरूप कोली (बयाना): महोदय, मैं भी अपने आपको इस मामले से सम्बद्ध करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप सभी ने इस मामले में एसोसिएट किया है।

प्रो. रासा सिंह रावत : मान्यवर, इन्होंने इस मामले को वित्त आयोग के ऊपर टाल दिया है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing more. यह सही नहीं है। आपके चार ऑनरेबल मैम्बर्स को इसी बीच में बुलाया है और हम क्या करेंगे।

...(*Interruptions*)